

मनरेगा— 30 वर्षों बाद पुनर्जीवित नहर से गांव में लौटी खुशहाली

राज्य: हरियाणा— जिला हिसार खण्ड हिसार 1 ग्राम पंचायत तलवंडी रुक्का,
परिसम्पति का नाम: Repair & Maintenance of Irrigation Channel Talwandi
Rukka Disty. Rd 19000 to 24576 at 27/06
कार्य कोड: 1215010046/IC/1000010651, 1215010047/IC/1000010652,
1215010047/IC/1000011074

कुल लागत : 63.00 Lacs

कुल खर्च : 62.23 Lacs

कुल मानव दिवस: 19,577

कार्य समाप्ति तिथि: 12.01.2021

वित्तीय वर्ष: 2019 & 20

कन्वरजैन्स : भिवानी वाटर सर्विस, सिंचाई विभाग

जिला प्रशासन हमेंशा से मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी आजीविका विकसित करने के लिए प्रेरित करता रहता है। तलवंडी रुक्का गांव से संबंधित 30 वर्ष पुरानी नहर अपने आप में एक सफलता की कहानी है। यह गांव जिला मुख्यालय से 30 किमी की दूरी पर है। इस गाँव के लोग कृषि, मज़दूरी और पशुधन के माध्यम से होने वाली आय से अपना जीवन व्यतीत करते हैं।

7.5 किमी इस माइनर का निर्माण वर्ष 1976 में किया गया था और 1989 तक इस माइनर से ग्रामीणों को पानी मिलता रहा। यह एक लिफ्ट नहर थी और जिसमें सिवानी नहर (जोकि गांव से लगभग 10 किमी दूर है) से भारी पांपों का उपयोग कर पानी तलवंडी रुक्का माइनर में डाला जाता था। भीतते समय के साथ साथ पम्प क्षतिग्रस्त होते गए जिसकी वजह से तलवन्डी रुक्का नहर में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। समय—समय पर ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों के बावजूद किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया और आखिरकार नहर रेत से ढक गई। हालात ये बने ये नहर धरातल के साथ साथ नक्शों पर से भी विलुप्त हो गई और हर गुजरते दिन के नहर के साथ लगती जमीन भी बंजर हो गई।

सिंचाई विभाग, भिवानी मंडल ने मशीनों के माध्यम से विभागीय रूप से कार्य करने के लिए तलवंडी रुक्का डिस्ट्रीब्यूटरी की मरम्मत और रखरखाव का प्रस्ताव एनओसी के लिए प्रस्तुत किया। परंतु तत्कालीन अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक हिसार श्री. ए.

एस. मान ने इस डिस्ट्रीब्यूटरी पर मनरेगा मजदूरों द्वारा कार्य करवाने की पहल की है और सिंचाई विभाग के अधिकारियों और ब्लॉक अधिकारियों को मनरेगा के तहत इस काम को करने के निर्देश दिए हैं।

दिनांक 01–07–2019 को मनरेगा मजदूरों द्वारा तलवंडी रुक्का डिस्ट्रीब्यूटरी को पुनर्जीवित करने की पहल में खुदाई शुरू की गई। यह काम बेहद कठिन था लेकिन मनरेगा के मजदूरों ने अपनी मेहनत के दम पर इस कार्य को पूर्ण कर दिखाया। उन्होंने जनहित में यह संदेश दिया कि कोई भी काम समर्पण और मेहनत से किया जा सकता है। कार्य के निष्पादन के दौरान पंचायत सदस्यों, सरपंच, कनिष्ठ अभियंता, एबीपीओ, बीडीपीओ सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा समय समय पर कार्य की गुणवत्ता हेतु कार्यस्थल का दौरा किया गया।

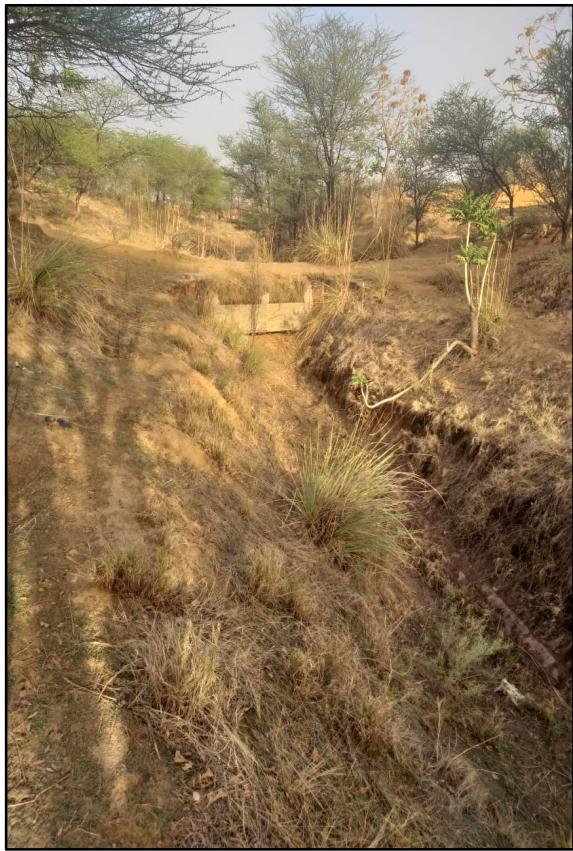
चूंकि पिछले 30 वर्षों से यह डिस्ट्रीब्यूटरी लगभग 10–15 फीट तक भारी धूल मिट्टी से ढक चुकी थी इसलिए इस डिस्ट्रीब्यूटरी के साथ साथ सटीक मापई से खुदाई करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस कार्य में लगे मनरेगा मजदूरों का मनोबल उस वक्त टूट गया जब उन्हें पता चला कि उन्होंने डिस्ट्रीब्यूटरी लाइनिंग के बजाय गलत दिशा में खुदाई कर दी। इस समस्या के समाधान के लिए गांव के स्थानीय किसानों के सुझाव के साथ साथ तकनीकी सहायता ली गई। मजदूरों को सही दिशा में सटीक सीमांकन देने के लिए ऑटो-लेवल और अलाइनमेंट मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

मनरेगा मजदूरों द्वारा 13 लाख घन मिट्टी निकाल कर उसकी सफाई की गई तथा सिंचाई विभाग द्वारा पानी छोड़ा गया जिससे तलवंडी रुक्का माइनर को 30 साल बाद नया जीवन मिला। इस कार्य के पूर्ण होने से 4गांवों की 5229 एकड़ भूमि को सिंचाई के लिए नहर का पानी उपलब्ध हो रहा है और लगभग 21000 किसानों के जीवन में खुशिया वापस लौट कर आई है।

हिसार जिले के चार गांवों—तलवंडी रुक्का, तलवंडी बादशाहपुर, शाहड़वा, रावतखेड़ा और भिवानी के चनाना गांव के 21000 किसानों के लिए यह खुशी का क्षण था जब उन्होंने 30 वर्षों से 20 फीट रेत के नीचे दबी नहर में पानी बहता हुआ देखा। इसके अलावा गांव के तालाबों और जल कार्यों के लिए साफ पानी उपलब्ध हो रहा है। एक कहावत ‘आम के आम गुठलियों के दाम’ पर खरी उत्तरती मनरेगा योजना ने स्थानीय स्तर पर एक तरफ मजदूरों को रोजगार दिया और दूसरी ओर बंद तलवंडी रुक्का डिस्ट्रीब्यूटरी को पुनर्जीवित कर 5229 एकड़ भूमि के लिए नहर का पानी उपलब्ध करवाया। इस कार्य ने ना केवल गांव तलवंडी रुक्का बल्कि पूरे हिसार जिले में एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

ग्राम तलवंडी रुकका के सरपंच श्री जगदीश सिंह राठौर ने बताया कि "1976 में जब इस नहर का निर्माण हुआ था तब हम बहुत छोटे थे। उस समय जमीन भी उपजाऊ थी लेकिन जैसे—जैसे समय बीतता गया पानी बंद हो गया और नहर पूरी तरह से रेत से ढक गई, यहां तक कि हम नहर के बारे में भी भूल गए। लेकिन अब पूरा गांव बहुत खुश है और इस महान कार्य के लिए महात्मा गांधी नरेगा एवं प्रशासन का शुक्रगुजार है।

श्री बसंत सिंह, श्री ओमप्रकाश, श्री अनूप, श्री प्रेम सिंह एवं श्री सत्यनारायण तलवंडी रुक्का गांव के किसान हैं जिन्होंने बताया कि, "हमारी जमीन दिन-ब-दिन बंजर होती जा रही थी। करीब 5,229 एकड़ जमीन की सिंचाई हेतु पानी नहीं था। अब चूंकि इस नहर में दोबारा पानी बह रहा है, हम सभी ग्रामवासी इस दिशा में की गई पहल की सराहना करते हैं।









The Ministry of Rural Development, Govt. of India, posted the success story of Hisar, Haryana on their official Social Network Sites

Twitter

Faggan Singh Kulaste @fekulaste

नहर निर्माण में रोजगार - कि सानों को सूलभ सिंचाई की बहार, मोदी सरकार में चल रही है बदलाव की बायार। 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुए नहर का लौटा स्वरूप 30 हजार 229 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी। #MoRD #BadlavKiBayar

वदलाव की बायार

- 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुये नहर का लौटा स्वरूप
- लगभग 5 हजार 229 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी।

फग्गन सिंह कुलस्टे
मोदीय राज्यमंत्री हमारा एवं जलीय विकास

बदलाव की बायार

- 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुये नहर का लौटा स्वरूप
- लगभग 5 हजार 229 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी।

हिसार, हरियाणा

indiaruraldev • Follow

Haryana के हिसार से 30Km दूर स्थित तलवड़ी रुक्का गाँव में हुआ करता था 7.5Km लंबा नहर, जो रेत, मिट्टी, घास और झाड़ियों के कारण हुआ विलुप्त। #MGNREGA के तहत शुरू हुआ जीणीद्वार का कार्य और 5 हजार 229 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी। #MoRD #BadlavKiBayar

Facebook

Ministry of Rural Development, Government of India is with All India Radio News ...
20 January at 15:20 · 8 others

#Haryana, a 7.5 km long canal used to be in Talwandi Rukka village 30 km away from Hisar, which was extinct due to sand, soil, grass and bushes. Restoration work started under #MGNREGA and canal water available for irrigation in 5 thousand 229 acres of agricultural land. #MoRD #BadlavKiBayar

• See original · Rate this translation

राजनीति विकास मंत्रालय | आज्ञानियों का सम्मेलन | G20 | भारत सरकार

• 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुवे नहर का लोटा स्वरूप
• लगभग 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी

लिंगार, तिरहाड़ा

You and 17 others · 2 comments · 6 shares

Koo

← Koo

Ministry of Rural Development, Government... 5d ago

#Haryana के हिसार से 30Km दूर स्थित तलवंडी रुका गाँव में हुआ करता था 7.5Km लंबा नहर, जो रेत, मिट्टी, पानी और झाजियों के कारण हुआ विलुप्त। #MGNREGA के तहत यहां हुआ जीपीडार का कार्य और 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी। #MoRD #BadlavKiBayar

@sadhviniiranjan @PIB_India @AmritMahotsav @mygovindia @airnewsalerts @DDNational @girrajaingh @feganssinghkulaste

राजनीति विकास मंत्रालय | आज्ञानियों का सम्मेलन | G20 | भारत सरकार

• 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुवे नहर का लोटा स्वरूप
• लगभग 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी

English हिन्दी

19 Likes 2 Re-Koo Write Your Comment...
Like 25 Share 3 Comment 4

Youtube

Ministry of Rural Development 4 days ago

#Haryana के किंसार से 30Km दूर स्थित तलवंडी रुका गाँव में हुआ करता था 7.5Km लंबा नहर, जो रेत, मिट्टी, पानी और झाजियों के कारण हुआ विलुप्त। #MGNREGA के तहत यहां हुआ जीपीडार का कार्य और 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी। #MoRD #BadlavKiBayar

राजनीति विकास मंत्रालय | आज्ञानियों का सम्मेलन | G20 | भारत सरकार

• 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुवे नहर का लोटा स्वरूप
• लगभग 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी

लिंगार, तिरहाड़ा

Like 8 Share 1 Comment 1

LinkedIn

Jobs Ministry of Rural Development, ... Chandigarh

Linked in

Ministry of Rural Development, Gol's Post

Ministry of Rural Development, Gol 2,182 followers 4d ago

#Haryana के हिसार से 30Km दूर स्थित तलवंडी रुका गाँव में हुआ करता था 7.5Km लंबा नहर, जो रेत, मिट्टी, पानी और झाजियों के कारण हुआ विलुप्त। #MGNREGA के तहत यहां हुआ जीपीडार का कार्य और 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी। #MoRD #BadlavKiBayar

राजनीति विकास मंत्रालय | आज्ञानियों का सम्मेलन | G20 | भारत सरकार

• 30 वर्ष पूर्व विलुप्त हुवे नहर का लोटा स्वरूप
• लगभग 5 हजार 229 एकड़ क्षेत्र भूमि में सिंचाई के लिए उपलब्ध हुआ नहर का पानी

लिंगार, तिरहाड़ा

Like 1 Share 1 Comment 1

बदलाव की बयार